BSES

अब बिजली बचत का संदेश फैलाएंगे, स्कूली बच्चे

- स्कूलों में शुरू किया बीएसईएस ने अपना जागरूकता अभियान
- ऊर्जा संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग व वातावरण में बढ़ते कार्बन डायऑक्साइड की मात्रा पर केंद्रित होगा अभियान
- एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, नई दिल्ली पब्लिक स्कूल और उपरस विद्यालय में हुए कार्यक्रम
- *सीएफएल लगा लें, तो दिल्ली कर सकती है **450** मेगावॉट बिजली की बचत*

नई दिल्ली, **22** जनवरी, **2008**। ऊर्जा संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग व वातारण में बढ़ते कार्बन डायऑक्साइड की मात्रा पर केंद्रित बीएसईएस का जागरूकता अभियान अब जोर पकड़ रहा है। वजह यह है कि इन मुद्दों पर कंपनी का संदेश फैलाने में अब स्कूली बच्चे मदद करेंगे। स्कूली बच्चों ने कई सरकारी व गैर सरकारी संगठनों के जनहित के उद्देश्यों को समाज में सफलतापूर्वक फैलाया है और उसके सार्थक परिणाम देखने के मिले हैं। इसलिए, बीएसईए भी अब अपने जनहित के, और अंततराष्ट्रीय बहस के इन मुद्दों पर, आम लोगों के बीच जागस्कता फैलाने के लिए स्कूली बच्चों का सहारा ले रही है। कंपनी का मानपा है कि इसके बेहतर नतीजे सामने आएंगे।

ऊर्जा संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग और वातवरण में फैलते कार्बन डायऑक्साइड की मात्रा के बारे में, आज वसंत विहार स्थित उपरस विद्यालय के नौवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों से संवाद किया गया। इससे पहले कंपनी ने एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, साकेत और नई दिल्ली पब्लिक स्कूल, विकासपुरी के छात्रों से भी संवाद किया। कंपनी का कहना है कि **31** दिसंबर, **2008** तक बीएसईएस **50** स्कूलों में इन वैश्विक मुद्दों पर परिचर्चा का आयोजन करेगी।

परिचर्चा के दौरान, स्कूली छात्रों और उनके शिक्षकों को भी बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण के तमाम पहलुओं से अवगत कराया गया। उन्हें बिजली की कमी के कारणों के बारे में बताया गया। साथ ही कुछ टिप्स भी दिए गए, जिनके सहारे वे न सिर्फ बिजली की बचत कर सकते हैं, बल्कि अपने पैसे भी बचा सकते हैं। संवाद सत्र के बाद, प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया था, जिसमें सवालों के सही जवब देने वाले बच्चों को सीएफएल दिए गए।

बच्चों को बीएसईएस की ओर से यह बताया गया कि बिजली से चलने वाले उपकरणों को स्टैंड बाय मोड पर रखने से सालाना प्रति वॉट **36** रूपये की बरबादी हो रही है। यही नहीं, यदि उपभोक्ता अपने घरों में सीएफएल लगा लें, तो दिल्ली **450** मेगावॉट बिजली की बचत कर सकती है और वे साल भर में **391** रूपये की बचत भी कर पाएंगे। बच्चों को इस रिसर्च ने भी चौंका दिया कि एक विकसशील पेड़ पेड़ प्रतिवर्ष **26** पॉन्ड कार्बन डायऑक्साइड सोंख लेता है।

सत्र के आखिर में, बच्चों ने सबक लिया कि वे अपने माता–पिता से अनुरोध करेंगे कि घरों में सीएफएल लगाएं, बिजली के उपकरणों को मेन स्विच से ऑफ करें, और अधिक से अधिक पेड़ लगाएं।

बीएसईएस के प्रवक्ता के मुताबिक, बीएसईएस ऊर्जा संरक्षण को काफी गंभीरतापूर्वक ले रही है। हाल ही में बीएसईएस ने उर्जा संरक्षण के लिए एक अनोखी विधि का प्रयोग ुरू किया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि रो ानी का र्प्याप्तता में कमी न आए, बीएसईएस ने फैसला किया कि इसके सभी ऑफिसों में कुछ संख्या में सीएफएल व ट्यूब लाइट बंद रहेंगे। इससे रो ानी पर होने वाले खर्चे में कमी आएगी। बिजली बचत को बढ़ावा देते हुए कंपनी ने एक सीएफएल खरीदो, एक मुफ्त पाओ योजना के तहत ४ लाख सीएफएल भ्झी बचे हैं। इससे दिल्ली में बिजली की मांग में २५ मेगावॉट की कमी आएगी। पिछले पांच सालों में कंपी ने अपने विभिन्न ऑफिसें में १० हजार से अधिक पेड़ भी लगाए हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999870/ 9312007822**

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999088/ 9350130304**